शहर का ट्रैफिक सुगम करने की कोशिश, संभावनाओं के बीच <mark>दो विशेषज्ञ ने बताए नए विकल्प</mark>

## बीआरटीएस अच्छा, पर दूसरे विकल्प पर सोचें वाहन कम करने के लिए रिजस्ट्रेशन चार्ज बढ़ाएं

भारकर पहल स्वच्छ हुए, सुगम भी हो जाएं, आइए अब टैफिक में भी नं.1 हो जाएं

भास्कर संवाददीता | इंदौर

शहर का ट्रैफिक किस तरह सुगम हो, इसको लेकर शहर में कुछ मैदानी काम हो रहे हैं तो कुछ प्रस्तावों पर मंथन चल रहा है। मैदानी काम जैसे- चौराहें पर ट्रैफिक जवानों की तैनाती, नो एंटी का सख्ती से पालन, डिवाइडर लगाना। वहीं, भविष्य की जरूरत के मद्देनजर बीआरटीएस पर एलिनेटेड कॉरिडोर, प्रमुख सड़कों पर फ्लाय ओवर बनाने पर बात चल रही है। बीआरटीएस को हटाए जाने की बात भी हो रही है। वहीं, अब रोप-वे को भी बेहतर विकल्प बताया गया है। इन्हीं संभावनों के बीच दो विशेषज्ञ बता रहे हैं ट्रैफिक का कौन सा विकल्प सही है।

बीआरटीएस के सही उपयोग के लिए लोगों को जागरूक करें



• प्रो. प्रदीप माथुर, डायरेक्टर आईआईटी इंदौर

बीआरटीएस कॉरिडोर अच्छा पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम है। यह यात्रियों के लिए फायदेमंद है। इंदौर में इसका प्रभावी उपयोग भी हुआ है। इसे और सुविधाजनक बनाया जाए तो इसे हटाने की जरूरत नहीं है। हालांकि आज नई तकनीकें पब्लिक ट्रांसपोर्ट में उपलब्ध है। मोनो रेल सिस्टम पर विचार किया जा सकता है। बतौर टायल यह प्रयोग 10-15 किमी में किया जा सकता है।

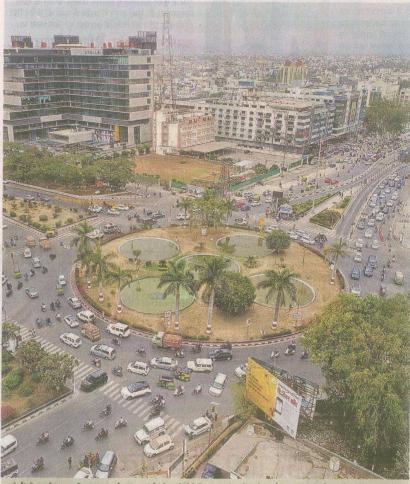
कार वालों को पिलक ट्रांसपोर्ट में डायवर्ट करें



• विजय मराठे, अर्बन प्लानर

बीआरटीएस रहना चाहिए। हालांकि गलतियां सुधारी जाना चाहिए। गरीब या मध्यमवर्गीय तो सिटी बस, आई-बस और मैजिक में चल ही रहा है। कार वालों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट में डायवर्ट करना जरूरी है। इसके लिए सुविधा बढ़ाना होगी। वाहनों को कम करने के लिए रजिस्टेशन चार्ज बहाना होगा। खासकर इंदौर में।

बीआरटीएस को हटाने या इस पर एलिवेटेड रोड बनाने या मेट्रो अथवा मोनो रेल चलाने के प्रस्तावों के बीच अब रोप-वे सिस्टम पर हुई है बात



ये हैं बीआरटीएस का विजय नगर चौराहा। यहां रोटरी बड़ी होने के कारण दिन में कई बार टैफिक उलझता है। इसके अलावा लगभग साढ़े 11 किमी लंबे इस कॉरिडोर पर शहर का लगभग आधा ट्रैफिक रोज गुजरता है। इसमें 14 चीराहे हैं और पांच-छह जगह बॉटलनेक। एलआईजी चौराहे से नौलखा तक के करीब साढ़े तीन किमी के हिस्से में कॉरिडोर सबसे संकरा है। भास्कर ने पहल की तो इस पर एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने को केंद्र सरकार ने सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। अब बाकी काम जल्द शुरू होगा।